सफदरजंग और कड़कड़डूमा के लिए सोलराइज प्रोजेक्ट लॉन्च, स्वच्छ ऊर्जा के प्रयोग को मिलेगा बढ़ावा

दिल्ली सोलर पॉलिसी :
यहां साल में करीब 300 दिन धूप खिलती है
सोलर पैनलों के लिए 31 वर्ग किलोमीटर की जगह उपलब्ध है
इतनी जगह में 2500 मेगावॉट सौर ऊर्जा का उत्पादन हो सकता है

बीएसईएस की पहल :
बीएसईस ने अपने अब तक 2800 से अधिक रूफटॉप सोलर प्लांट्स को नेटमीटरिंग से जोड़ा
इन सौर ऊर्जा प्लांट्स की क्षमता 90,000 किलोवॉट बिजली उत्पादन करने की हो गई है

नई दिल्लीः 2 नवंबर। बीएसईएस ने दक्षिणी दिल्ली में सोलराइज सफदरजंग और पूर्वी दिल्ली सोलराइज कड़कउड़ूमा की शुरूआत की है। इसके तहत, इन इलाकों में बड़े पैमाने पर सौर ऊर्जा प्लांट्स को बढ़ावा दिया जाएगा।

सोलराइज कड़कड़डूमा और सोलराज सफदरजंग कार्यक्रम की शुरूआत डिजिटल व वर्चुअल तरीके से की गई। यह एक पायलट प्रोजेक्ट है। यदि यह सफल होता है, तो बीएसईएस के अन्य इलाकों में भी सोलराइज प्रोजेक्ट शुरू किया जाएगा। यह उसी समझौते के तहत हो रहा है, जिस पर 15 नवंबर 2018 में यूएस–इंडिया क्लीन एनर्जी फाइनेंस टास्क फोर्स के तहत अमेरिका के डिपार्टमेंट ऑफ स्टेट और भारत के अक्षय ऊर्जा मंत्रालय ने दस्तखत किए थे।

यह पहल काउंसिल ऑफ एनर्जी एन्वायरमेंट एंड वॉटर यानी सीईईडब्ल्यू की साझेदारी में शुरू की गई है। यह एक गैर–लाभकारी पॉलिसी रिसर्च संस्था है। इसे यूएस बेस्ड गैर–लाभकारी संस्थान स्मार्टपावर का सहयोग भी मिल रहा है, जिसका फोकस स्थानीय कम्युनिटी कैंपेन पर है, ताकि स्वच्छ ऊर्जा के प्रयोग को बढ़ावा दिया जा सके। सोलराइज सफदरजंग और सोलराइज कड़कड़डूमा कार्यक्रम पूरी तरह से वर्चुअल हैं, जिनमें कई ऑनलाइन टूल्स व प्लेटफॉर्म्स के सहारे काम किया जाएगा। इनमें से एक प्लेटफॉर्म वीग्रीन भी है। यह एक ग्लोबल प्लेटफॉर्म है, जो निवासियों और वेंडरों को साथ लाने का काम करता है।

बीएसईस के सोलराइज पहल का उद्देश्य है कि जिन इलाकों में इसे शुरू किया गया है, वहां बड़े पैमाने पर सौर ऊर्जा के रूफटॉप प्लांट्स लगाने की संभावनाओं को तलाशना और उसे बढ़ावा देकर नेट मीटरिंग से जोड़ना। इन प्लांट्स को नेट मीटरिंग से जोड़ने पर उपभोक्ता को तिहरा लाभ होता है।

बीएसईएस प्रवक्ता के मुताबिक, सौर ऊर्जा के प्रयोग को बढ़ावा देने का यह हमारा एक और प्रयास है। हमारे सोलराइल पहल का उद्देश्य है, उपभोक्ताओं को इस बारे में जागरूक करना और सोलर रूफटॉप डेवलपर्स तथा फाइनैंसर्स की भागीदारी उपलब्ध कराना। उपभोक्ताओं को सौर ऊर्जा के लाभ के बारे में जागरूक करना, और लगाए जा रहे सिस्टम्स का कड़ाई से कंप्लायंस सुनिश्चित करना भी इस कार्यक्रम का उद्देश्य है। इस पहल के तहत, सौर ऊर्जा के प्लांट्स लगाने के लिए उपभोक्ताओं को वित्तीय सहायता के विकल्प भी सुझाये जाएंगे। रूफटॉप सोलर के कॉन्सेप्ट तथा इससे उपभोक्ता के बिल में आने वाली कमी के बारे में लोगों को जागस्क करने में बीएसईएस हमेशा आगे रही है। यह नई पहल बीएसईएस इलाके में सोलर के मामले में एक गेम चेंजर साबित होगी।

बीएसईस ने अपने इलाकों में सौर ऊर्जा प्लांट्स को बढ़ावा देते हुए 2800 से अधिक रूफटॉप सोलर प्लांट्स को नेटमीटरिंग कनेक्शन से जोड़ दिया है। इन सौर ऊर्जा प्लांट्स की क्षमता 90,000 किलोवॉट बिजली उत्पादन करने की हो गई है।

सौर ऊर्जा प्लांट्स लगाने वाले कई उपभोक्ताओं की, ग्रिड की बिजली पर निर्भरता खत्म या काफी कम हो चुकी है। ग्रिड की बिजली के बिना ही वे अपना घर रौशन कर रहे हैं। साथ ही, खुद के इस्तेमाल के बाद बची बिजली को वे बीएसईएस को बेचकर, डीईआरसी द्वारा अप्रूव्ड दरों पर पैसे भी कमा रहे हैं। बीएसईएस इन पैसों को उन उपभोक्ताओं के बिजली बिल में एजडस्ट कर रही है।

चूंकि ऐसे उपभोक्ता कम मात्रा में डिस्कॉम की बिजली की खपत कर रहे हैं, ऐसे में, उन्हें दिल्ली सरकार द्वारा 400 यूनिट तक की बिजली खपत पर दी जाने वाली सब्सिडी का लाभ भी मिल रहा है। यानी, सौर ऊर्जा के प्लांट्स लगाने वाले उपभोकताओं को तिहरा फायदा मिल रहा है।

अभी, दिल्ली में सौर ऊर्जा प्लांट्स विकसित करने की काफी संभावनएं हैं। दिल्ली सोलर पॉलिसी के मुताबिक, दिल्ली में साल में करीब 300 दिन धूप खिलती है और यहं सोलर पैनलों के लिए 31 वर्ग किलोमीटर की जगह उपलब्ध है। इतनी जगह में 2500 मेगावॉट सौर ऊर्जा का उत्पादन हो सकता है। गौरतलब है कि 1 किलोवॉट के रूफटॉप सोलर कनेक्शन से उपभोक्ता ग्रिड की बिजली की अपनी खपत में 90 से 120 यूनिट तक की कमी ला सकते हैं।

बीएसईएस दक्षिण, पश्चिम, मध्य और पूर्वी दिल्ली में सौर ऊर्जा के प्लांट्स को बड़े पैमाने पर बढ़ावा दे रही है।घरेलू उपभोक्ता ही नहीं, बल्कि शैक्षिक व धार्मिक संस्थाओं, रेलवे स्टेशन, मेडिकल कॉलेज, जेल, आदि सभी श्रेणियों के उपभोक्ताओं ने सोलर पावर प्लांट्स लगाए हैं। जिन प्रमुख संस्थानों ने सोलर पावर प्लांट्स लगाए हैं, उनमें मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज, इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, वसंत वैली स्कूल, डीपीएस– ईस्ट ऑफ कैलाश और बाल भारती पब्लिक स्कूल शामिल हैं। धार्मिक आस्था के केंद्र लोटस टेंपल और श्री ऑरबिंदो आश्रम ने भी सोलर नेट मीटरिंग के कनेक्शन लिए हैं। सौर ऊर्जा से जगमगाने वाले अन्य प्रमुख संस्थाओं में शामिल हैं मंडोली जेल, निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन, टेरी, दिल्ली जल बोर्ड, आदि। आईपी एक्सटेंशन, द्वारका और पश्चिम विहार की कई सोसाइटीज में भी सोलर पावर के प्लांट्स लगाए गए हैं। इनसे सोलर पावर का उत्पादन हो रहा है।

दिल्ली की प्रमुख बिजली वितरण कंपनियां बीआरपीएल और बीवाईपीएल रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार के बीच संयुक्त उद्यम हैं।